



Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"



॥ गणेश जी के मंत्र एवं स्तुति ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ गणेश जी के मंत्र एवं स्तुति ॥

गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान श्रीगणेश की पूजा के साथ उनके मंत्र, स्तुति और आरती का पाठ करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, बुद्धि एवं विवेक के देवता के रूप में पूजा जाता है।

गणेश मूल मंत्र

ॐ गं गणपतये नमः॥

यह भगवान गणेश का प्रमुख मंत्र है। पूजा, ध्यान या किसी शुभ कार्य के आरंभ से पहले इसका जाप किया जा सकता है।

गणेश ध्यान मंत्र

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।

निर्विघ्नं कुरु मे देव शुभकार्येषु सर्वदा॥

अर्थ: हे विशाल शरीर और वक्र सूंड वाले भगवान गणेश, जिनका तेज करोड़ों सूर्यों के समान है, मेरे सभी शुभ कार्यों को सदैव निर्विघ्न पूर्ण करें।

गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदन्ताय विद्महे

वक्रतुण्डाय धीमहि।

तन्नो दन्तिः प्रचोदयात्॥

अर्थ: हम एकदंत भगवान गणेश का ध्यान करते हैं और वक्रतुण्ड स्वरूप का चिंतन करते हैं। वे भगवान हमारे बुद्धि-विवेक को शुभ दिशा प्रदान करें।

गणेश स्तुति

गजाननं भूतगणादि सेवितं
कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।
उमासुतं शोकविनाशकारणं
नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्॥

अर्थ: जो भगवान गणेश भूतगणों द्वारा सेवित हैं, जिन्हें कपित्थ और जम्बू फल प्रिय हैं, जो माता पार्वती के पुत्र और शोक का नाश करने वाले हैं, उन विघ्नेश्वर भगवान के चरण कमलों को मैं प्रणाम करता हूँ।

गणेश जी का प्रसिद्ध श्लोक

अग्रपूज्यम् महाकायं
सर्वकार्येषु सर्वदा।
सिद्धिबुद्धिप्रदातारं
वन्देऽहं गणनायकम्॥

यह श्लोक भगवान गणेश को शुभ कार्यों में प्रथम पूजनीय मानकर उनकी कृपा और सिद्धि-बुद्धि की कामना के लिए पढ़ा जा सकता है।

गणेश जी का बीज मंत्र

ॐ गं॥

गणेश जी का “गं” बीज मंत्र माना जाता है। इसे श्रद्धापूर्वक ध्यान और जाप के दौरान प्रयोग किया जाता है।

मंत्र जाप की सरल विधि

पूजा के बाद शांत मन से मंत्र का जाप करें।
संभव हो तो पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें।
जाप के लिए रुद्राक्ष या तुलसी की माला का प्रयोग किया जा सकता है।
अपनी श्रद्धा और समय के अनुसार मंत्र का जाप करें।
गणेश चतुर्थी पर “ॐ गं गणपतये नमः” का जाप विशेष रूप से किया जा सकता है।